11. असम	गचर/सिल्चर, करीमगंज, सुनौतपुर, नौगांव, जोरहाट, सिबासंगार, डिबरूगढ़, गोलाघाट
12. मणिपुर	इम्फाल
13. मिजोरम	कालासिब
14. नागालैंड	दीमापुर
15. गोवा	गोवा
16. राजस्थान	बंसवाड़ा, बुन्दी, चित्तौरगढ़, गंगानगर, उदयपुर, डुंगरपुर
17. तमिलनाडु	उत्तरी आरकौट, दक्षिणी आरकौट, धर्मपुरी, सम्बुवरयुर, चेंगलअन्नी, कन्याजर, मदुरै, कोयंबटूर
18. त्रिपुरा	अगरतला
19. उत्तर प्रदेश	हरिद्वार, मुजफ्फरनगर, मेरठ, गाजियाबाद, अलीगढ़, मथुरा, एटा, बरेली, बदायूं, शाहजहानपुर, पिलीभीत, फर्रुखाबाद, बिजनौर, इटावा, मुरादाबाद, कानपुर, रामपुर, फतेहपुर, वाराणसी, इलाहाबाद, जौनपुर, जालौन, गाजीपुर, हमीरपुर, बलिया, मिर्जापुर, गोरखपुर, सिद्धार्थनगर, देवरिया, बस्ती, मऊ, आजमगढ़, रायबरेली, सीतापुर, उन्नाव, खीरी, हरदोई, फैजाबाद, गोण्डा, बहराइच, बाराबंकी, नैनीताल, सहारनपुर
20. पश्चिम बंगाल	मालदा, मुर्शिदाबाद, नादिया, बर्दवान, बीरभूम, पुरूलिया, मिदनापुर (पश्चिम)
21. पांडिचेरी	पांडिचेरी

खाद्यान्न उत्पादन का आकलन

2641. **श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया:**
श्री राज मोहिन्दर सिंह:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि कृषि मंत्रालय और वित्त मंत्रालय ने वर्ष 1998-99 के दौरान देश में खाद्यान्न उत्पादन के संबंध में पृथक-पृथक आकलन किया है;

(ख) यदि हां, तो वित्त मंत्रालय तथा कृषि मंत्रालय द्वारा आकलित मात्रा का पृथक-पृथक ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस मात्रा के भिन्न-भिन्न आकलन के क्या कारण है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोमपाल): (क) से (ग) वित्त मंत्रालय देश में खाद्यान्न उत्पादन का कोई स्वतंत्र आकलन नहीं करता है। कृषि सांख्यिकी के मंडल संगठन कृषि मंत्रालय द्वारा तैयार किये गये फसल उत्पादन संबंधी आकलन वित्त मंत्रालय द्वारा 'आर्थिक सर्वेक्षण' तैयार करने में उपयोग में लाये जाते हैं।

कृषि मंत्रालय ने राज्यों तथा अन्य स्रोतों से प्राप्त रबी फसलों में बुवाई की प्रगति की प्रवृत्ति तथा खरीफ फसलों के अग्रिम अनुमानों के आधार पर 30.1.99 को 195.25 मिलियन मी॰ टन खाद्यान्न उत्पादन होने का अनुमान बनाया है। इसे वित्त मंत्रालय को 1998-99 के लिए आर्थिक सर्वेक्षण तैयार करने के लिए उपलब्ध करा दिया गया था। तथापि, 22-23 मार्च, 1999 को आयोजित 'खरीफ अभियान, 1999 संबंधी राष्ट्रीय सम्मेलन' में राज्य सरकारों द्वारा दी गई अद्यतन जानकारी के आधार पर खाद्यान्न उत्पादन के पूर्वतर आकलन में वृद्धित संशोधन करते हुए इसे 200.88 मिलियन मी॰ टन कर दिया गया था।

विभिन्न फसलों के उत्पादन के अग्रिम अनुमानों में संशोधन कृषि मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष में 4 बार किया जाता है।

Modified Crop Insurance Scheme

2642. SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

-(a) whether the modified Crop Insurance Scheme prepared by a core group has since been finalised;